INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

आज समारोह में बच्चों के चेहरे देखने से महसूस हो रहा है कि सेवा भारती का उद्देश्य पूरा हो रहा है : प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी

By : INVC Team Published On : 7 Sep, 2014 03:09 PM IST

आई एन वी सी,
हरियाणा, हरियाणा के राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने आज यहां आयोजित सेवा भारती उत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि सेवा भारती एक ऐसी संस्था है जिसने अपना समस्त कार्य शिक्षकों व बच्चों को समर्पित करके देश व समाज का भविष्य उज्ज्वल किया है। उन्होंने सेवा भारती कार्य में लगे हुए लोगों को बधाई दी और सेवा भारती को राज्यपाल शिक्षा कोष से एक लाख रुपये देने की घोषणा भी की।
प्रो० सोलंकी ने कहा कि आज समारोह में बच्चों के चेहरे देखने से महसूस हो रहा है कि सेवा भारती का उद्देश्य पूरा हो रहा है। चंडीगढ में इस समय 45 सेवा भारती कार्य कर रहे हैं और देश भर में सेवा भारती की 1.5 लाख परियोजनाएं चल रही है जो एक महत्वपूर्ण कार्य है। राज्यपाल ने भारत के राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन व भारत के पहले प्रधानमन्त्री पं० जवाहरलाल नेहरू की दार्शनिकता पर उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजनीतिक कम दार्शनिक ज्यादा थे। उनमें भारतीय संस्कार लबालब थे। उन्होंने अपना जन्मदिन मनाने की बजाय अध्यापकों को गौरवान्वित करने के लिए 5 सितम्बर को अध्यापक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। अध्यापक पर बच्चे के विकास की जिम्मेदारी होती है। इसके अलावा, डॉ० राधाकृष्णन स्वतन्त्रता के बाद शिक्षा में सुधार लाने के लिए बनाये गये आयोग के अध्यक्ष भी थे।
इसी प्रकार, दूसरे महान व्यक्तित्व में ज्ञान के धनी व भारत के पहले प्रधानमन्त्री का नाम आता है। पं० जवाहरलाल नेहरू ने जेल में रहते हुए इन्दिरा को लिखे पत्रों का उद्देश्य इन्दिरा के जीवन को उचित दिशा में विकसित करना था। पं० नेहरू जी को बच्चों से अत्यधिक प्रेम था। उन्हें चाचा नेहरू के नाम से पुकारा जाता था। उन्होंने भी अपना जन्मदिन बच्चों को समर्पित कर दिया। इसी भाव को लेकर सेवा भारती ने शिक्षक और बच्चों के महत्व को समझते हुए अपना कार्य भी बच्चों को समर्पित किया। इस समय, देश भर में सेवा भारती की 1.5 लाख परियोजनाएं चल रही है। उन्होंने कहा कि अध्यापक बच्चे के विकास के लिए जिम्मेदार होते है। सेवा भारती इस उद्देश्य पर कार्य कर रही है कि किसी भी देश व राष्ट्र की भावी पीढी, बच्चे संस्कारवान हो जाए तो वही देश आगे तरक्की करता है।
राज्यपाल ने कहा कि भारत के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 सितम्बर को बच्चों को सम्बोधित कर एक नया काम किया है। इससे मानव संसाधन के विकास को महत्व मिलेगा। हमारा देश ही एक ऐसा देश है जहां नर को नारायण बनाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि भौतिक संसाधन से मानव संसाधन सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि सेवा भारती भी मानव संसाधन के विकास का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/आज-समारोह-में-बच्चों-के-चे/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.